CMYK

Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

वर्ष- 28 अंक- 153 रायपुर, शुक्रवार 27 जून 2025 पृष्ठ-8 मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने की भगवान जगन्नाथ की पूजा रथ यात्रा के मार्ग की सोने के झाड़ू से सफाई की

रायपुर, 27 जून (हाईवे चैनल)। भगवान जगन्नाथ के भक्तों के लिए आज बड़ा दिन है. भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ आज भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकलेगी. इस अवसर पर राजधानी रायपुर के गायत्री नगर स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर पहुंचकर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राज्यपाल रमेन डेका के साथ पूजा-अर्चना कर प्रदेश के लोगों की खुशहाली की कामना की। राज्यपाल रमेन डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के साथ इस अवसर पर मंत्री टंक राम वर्मा , सांसद बृजमोहन अग्रवाल के साथ भी मौजूद बड़ी

संख्या में श्रद्धालु भगवान की पूजा-अर्चना के साथ आशीर्वाद लेने के लिए जुटे थे. भगवान की पूजा-अर्चना के बाद मुख्यमंत्री साय ने रथ यात्रा के मार्ग की सोने के झाड़ू से सफाई की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि आज महाप्रभु भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकली है. इस अवसर के लिए छत्तीसगढ़ के लोगों को बधाई और शुभकामना देता हूं. भगवान जगन्नाथ, बलभद्र स्वामी और सुभद्रा माता से प्रार्थना करता हूं कि छत्तीसगढ़ में खुशहाली हो. सबके घर में सुख-समृद्धि हो।

पुरी रथ यात्रा में उमड़ा भक्तों का सैलाब, अहमदाबाद में रथ यात्रा में हाथी बेकाबू

प्रभु जगन्नाथ, बलभद्र व देवी सुभद्रा ने भक्तों को दिए दर्शन

नई दिल्ली, 27 जून (न्यूज चैनल)। पुरी के जगन्नाथ मंदिर में पहांडी अनुष्ठान हुआ। इसमें भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ को रथ यात्रा के लिए 12वीं सदी के मंदिर से उनके संबंधित रथों तक जुलूस के रूप में ले जाया गया। अनुष्ठान एक घंटे देरी से शुरू हुआ और तीन घंटे तक चला। पहांडी में त्रिदेवों भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ को जुलूस के रूप में सिंह द्वार के सामने खड़े उनके रथों तक ले जाया गया। जहां से उन्हें श्री गुंडिचा मंदिर ले जाया गया। घंटियां, शंख और झांझ बजाते हुए चक्रराज सुदर्शन को सबसे पहले मुख्य मंदिर से बाहर लाया गया और देवी सुभद्रा के 'दर्पदलन' रथ पर बैठाया गया। पंडित सूर्यनारायण रथशर्मा ने बताया कि सुदर्शन भगवान विष्णु का चक्र अस्त्र है, जिनकी पूजा

पुरी के जगन्नाथ मंदिर में पहांडी अनुष्ठान हुआ

पुरी में भगवान जगन्नाथ के रूप में की जाती है। सुदर्शन के पीछे भगवान जगन्नाथ के बड़े भाई भगवान बलभद्र थे। भगवान बलभद्र अपने तालध्वज रथ पर विराजमान हैं। जब भगवान जगन्नाथ मंदिर से बाहर आए, तो ग्रैंड रोड पर भावनाओं का सैलाब उमड़ पड़ा, क्योंकि भक्तों ने हाथ उठाकर 'जय जगन्नाथ' का नारा लगाया। अहमदाबाद में रथ यात्रा के दौरान जुलूस में शामिल एक हाथी बेकाबू हो गया और उसने अजीब व्यवहार करना शुरू कर दिया। इसे तुरंत काबू में कर लिया गया और वहां से ले जाया गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को दीं शुभकामनाएं

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ की वार्षिक रथ यात्रा के अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में इस अवसर पर सभी के लिए सुख, समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। भगवान जगन्नाथ की वार्षिक रथ यात्रा के लिए लाखों श्रद्धालु समुद्र तटीय तीर्थ नगरी पुरी में उमड़े हैं।

धमतरी में धूमधाम से निकली महाप्रभु जगन्नाथ की रथ यात्रा, उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

धमतरी, 27 जून (हाईवे चैनल)। आज महाप्रभु जगन्नाथ, बड़े भैय्या बलदाऊ व बहन सुभद्रा की भव्य स्थयात्रा दोपहर को मठमंदिर चौक स्थित जगदीश मंदिर से निकाली गई। रथयात्रा मंदिर से निकल कर शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए जनक पुरी पहुंचकर सम्पन्न होगी। जगदीश मंदिर 118 साल पुराना है। ज्ञात हो कि रथयात्रा महोत्सव को सफल बनाने जगदीश मंदिर ट्रस्ट द्वारा व्यापक तैयारियां की गई थी। महोत्सव के तहत विभिन्न धार्मिक आयोजन किए गए। सुबह जगदीश मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ने लगी। भक्त भगवान के दर्शन के लिए कतारबद्ध होकर अपनी बारी का इंतजार करते रहें। इसके पश्चात महाप्रभु को रथ में सवार कराया गया। फिर यात्रा निकाली गई। जो कि मठमंदिर चौक से चमेली चौक, कचहरी चौक से होते हुए जनकपुरी पहुंचकर सम्पन होगी। बता दे कि सर्वप्रथम यहां एक भक्त द्वारा भगवान जगनाथ की छोटी प्रतिमा सन 1907-08 में बनवाई गई थी. जो कि करीब दस वर्षों तक स्थापित रही. फिर बाद में कुछ कारणवश उक्त मूर्ति को विसर्जित किया गया. पश्चात 1918 में जनसहयोग से भगवान जगन्नाथ, बलदाऊ भैय्या एवं माता सुभद्रा की बड़ी प्रतिमा बनाकर विधिवत स्थापित की गई. महाप्रभु जगन्नाथ, बलदाऊ व सुभद्रा के सवार होने के पश्चात रथयात्रा निकाली जाती है।

ब्रेकिंग न्यूज

बाइक-स्कूटर से टोल टैक्स वसूलने की खबर निकली फर्जी, नितिन गडकरी ने बताया सच

नई दिल्ली, 27 जून (न्यूज चैनल)। दोपहिया वाहनों से टोल वसूली को लेकर बीते कुछ दिनों से सोशल मीडिया और कुछ समाचार माध्यमों में चल रही अटकलों पर केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने पूर्ण विराम लगा दिया है। उन्होंने इन खबरों को पूरी तरह से भ्रामक और बेबुनियाद बताया है। गडकरी ने 26 जून को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग (पूर्व में ट्विटर) पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए लिखा कि कुछ मीडिया संस्थान यह प्रचारित कर रहे हैं कि 15 जुलाई से दोपहिया वाहनों से टोल टैक्स वसूला जाएगा, जबकि ऐसा कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है।

जंग रुकने के बाद ईरान ने कहा- 'दिल से थैंक्यू भारत', भारतीयों ने बढ़ाया हौसला

नई दिल्ली, 27 जून (न्यूज चैनल)। ईरान ने इज़राइल के साथ हाल ही में हुए संघर्ष में मिली 'नैतिक जीत' पर भारत को धन्यवाद कहा है। 13 जून से 24 जून तक चले 12 दिवसीय युद्ध के बाद तेहरान स्थित ईरानी दूतावास ने एक आधिकारिक बयान जारी कर भारत के नागरिकों, राजनीतिक दलों, धार्मिक नेताओं, मीडिया और सामाजिक संगठनों के समर्थन के प्रति आभार प्रकट किया है। ईरानी दूतावास ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच ङ्ग (पूर्व में ट्विटर) पर एक भावनात्मक पोस्ट करते हुए लिखा इस्लामिक गणराज्य ईरान का दूतावास ईरानी राष्ट्र की जीत के अवसर पर भारत के सभी स्वतंत्रता-प्रेमी नागरिकों, राजनीतिक दलों, सांसदों, गैर-सरकारी संगठनों, धार्मिक नेताओं, मीडिया, सामाजिक कार्यकर्ताओं और संस्थानों को हार्दिक धन्यवाद देता है, जिन्होंने हाल के दिनों में ईरान का मजबूती से समर्थन किया।

चूहा- सुनती हो, आज भगवान जगन्नाथ रथ पर शहर भ्रमण कर रहें हैं।

चुहिया- हां जी, देख तेरे संसार की हालत क्या हो गई भगवान...!

हत्यारे ने 2 मासूमों को किया अनाथ, कोरोना ने छीना था पिता का साया, अब घर में मिली मां की खून से लथपथ लाश

खैरागढ़, 27 जून (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ जिले में एक विधवा महिला की निर्ममता से हत्या कर दी गई, जिससे उसके 2 मासूम बच्चे पूरी तरह अनाथ हो गए. मामला ग्राम खैरबना का है, जहां स्कूल से लौटने के बाद 2 मासूम बच्चे दरवाजा खटखटा रहे थे, अपनी मां को आवाज लगा रहे थे. लेकिन जब काफी समय बाद भी मां ने दरवाजा नहीं खोला और न ही जवाब दिया, तो बच्चों ने पड़ोसियों को बुलाया और दरवाजा तोड़ा गया. जैसे ही पड़ोसी और बच्चों ने घर के अंदर कदम रखा, सभी के होश उड़ गए. महिला की खून से लथपथ लाश फर्श पर पड़ी मिली.

जानकारी के अनुसार, मृतिका की पहचान मोहिनी साहू (उम्र 30) के रूप में हुई है. मोहिनी साहू के पति कीर्तन साहू की मौत दो वर्ष पूर्व हो चुकी है. वह हाल ही में अपने मायके पद्मावतीपुर से लौटकर खैरबना आई थी और अपने बच्चों के साथ अकेले ही रहती थी. बीते दिन वह घर पर अकेली थी और उसके दोनों बच्चे स्कूल गए हुए थे. बच्चे लौटकर जब घर पहुंचे तो उनके सर से मां

का साया भी छिन चुका था।

ग्रामीणों की सूचना पर एएसपी नितेश गौतम, थाना प्रभारी अनिल शर्मा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची. पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मामले की जांच में जुट गई है. प्रारंभिक जांच में सामने आया कि महिला के गर्दन और सिर पर किसी भारी वस्तु से वार किया गया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई. घटना गुरुवार शाम करीब 5 बजे की बताई जा रही है। इस दिल दहला देने वाली घटना से गांव में दहशत और आक्रोश का माहौल है. ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार आपराधिक घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे लोग असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। इस मामले में पुलिस का कहना है कि हत्या के कारणों और आरोपियों की पहचान को लेकर हर पहलू से जांच की जा रही है. जल्द ही हत्यारे को पकड़ लिया जाएगा।

तेज बारिश में फूटा सीएसईबी का राखड़ बांध, गांव में राखड़ घुसने पर लोग घर छोड़कर भागे, राहत और बचाव कार्य में जुटा प्रशासन

कोरबा, 27 जून (हाईवे चैनल)। कटघोरा के ग्राम डिंडोलभाटा स्थित छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल (ष्टस्श्वक्च) का राखड़ बांध अलसुबह तेज बारिश की वजह से टूट गया. राखड़ के बहकर गांव में घुसने पर लोग जान बचाते हुए घर छोड़कर भागे. समाचार लिखे जाने तक किसी भी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं मिली है, लेकिन मंडल प्रबंधन की बड़ी लापरवाही सामने आई है, जिसको लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है. तेज बारिश की वजह से बड़ी तबाही मच सकती है. बहरहाल, घटना की सूचना पर मौके पर पहुंचा पुलिस-प्रशासनिक अमला गांव को खाली कराने में जुटा है।

ट्रक में पीछे से जा घुसी बाइक दो युवकों की मौके पर मौत

महासमुंद, 27 जून (हाईवे चैनल)। नेशनल हाइवे 53 पर तेज रफ्तार बाइक चलती ट्रक के पीछे जा भिड़ी. दर्दनाक हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई. हादसा इतना भीषण था कि स्पोर्ट बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई. मृतकों की फिलहाल पहचान नहीं हो सकी है. हालांकि दोनों आरंग के निवासी बताए जा रहे हैं।

हादसा तुमगांव थाना क्षेत्र के शेरे पंजाब होटल के पास हुआ है. जानकारी के अनुसार बीती रात लगभग 10 बजे तुमगांव थाना क्षेत्र अंतर्गत नेशनल हाईवे 53 पर शेरे पंजाब ढाबा के पास दो दोस्तों की बाइक गाय को बचाने के चक्कर में चलती ट्रक में पीछे से टकरा गई. हादसे में आरंग के पटेल चौक निवासी अनुराग पटेल पिता स्व.विजय पटेल (उम्र 19 वर्ष) और शीतला पारा निवासी युगल

निषाद पिता नंदू निषाद (उम्र 20 वर्ष) की दर्दनाक मौत हो गई. वहीं ड्राइवर ट्रक को लेकर घटनास्थल से फरार हो गया। बताया जा रहा है कि अनुराग पटेल तुमगांव क्षेत्र के एक ढाबे में काम करता था. युगल निषाद अपनी क्र15 बाइक पर अनुराग को आरंग से ढाबा छोड़ने के लिए निकला था. लेकिन वह हादसे का शिकार हो गए. घटना की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर दोनों युवकों के शवों को बरामद किया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

पंचतत्व में विलीन हुए प्रख्यात कवि पद्मश्री सुरेंद्र दुबे, बेटे अभिषेक ने दी मुखाग्नि

रायपुर, 27 जून (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के प्रख्यात कवि पद्मश्री डॉक्टर सुरेंद्र दुबे का आज शुक्रवार को रायपुर के मारवाड़ी श्मशान घाट में अंतिम संस्कार किया गया। उनके पुत्र अभिषेक दुबे ने मुखाग्नि दी। इसके साथ ही वे पंचतत्व में विलीन हो गए। मारवाड़ी शमशान घाट में नेताओं और कला क्षेत्र के प्रसिद्ध हस्तियां पहुंचे। भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय और मंत्रिमंडल के सदस्य भी शामिल रहे। वहीं चर्चित कवि कुमार विश्वास, सूफी भंजन गायक पद्मश्री मदन चौहान, कवि सुदीप भोला, गायक-अभिनेता सुनील तिवारी, पूर्व सांसद अभिषेक सिंह भी मौजूद रहे।

पद्मश्री डॉ. सुरेंद्र दुबे को तबीयत अचानक खराब होने पर उन्हें रायपुर के एडवांस कार्डियक इंस्टीट्यूट में भर्ती कराया गया था. जहां इलाज के दौरान हार्ट अटैक आने से उनका निधन हो गया। डॉ. सुरेंद्र दुबे ने हास्य और व्यंग्य जैसी विधाओं को सिर्फ मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक चिंतन का जरिया बनाया. मंच पर उनकी प्रस्तुति, शब्दों का चयन और आत्मविश्वास दर्शकों को प्रभावित करता था. उन्होंने अपनी कविताओं से केवल हँसाया नहीं,

भाजपा महामंत्री पवन साय और मंत्रिमंडल के सदस्य

बल्कि सामाजिक विसंगतियों, राजनीतिक हलचलों और मानवीय संवेदनाओं को भी छुआ और लोगों को सोचने पर मजबूर भी किया। 8 अगस्त 1953 को बेमेतरा, छत्तीसगढ़ में जन्मे डॉ. दुबे पेशे से आयुर्वेदिक चिकित्सक थे, लेकिन पहचान उन्होंने एक साहित्यकार और हास्य कवि के रूप में बनाई. भारतीय साहित्य के साथ ही छत्तीसगढ़ी भाषा में उनकी पकड़ बेहद मजबूत थी. उन्होंने पांच किताबें लिखी हैं और कई मंचो और टीवी शो पर दिखाई दिए. उन्हें भारत सरकार द्वारा वर्ष 2010 में देश के चौथे उच्चतम भारतीय नागरिक पुरस्कार पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।

इससे पहले पद्मश्री डॉ. सुरेन्द्र दुबे को वर्ष 2008 में काका हाथरसी से हास्य रत्न पुरुस्कार प्राप्त हुआ था. वर्ष 2012 में पंडित सुंदरलाल शर्मा सम्मान, अट्टहास सम्मान और संयुक्त राज्य अमेरिका में लीडिंग पोएट ऑफ इंडिया सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। बता दें, पद्मश्री डॉ. सुरेन्द्र दुबे ने छत्तीसगढ़ की माटी से लेकर देश ही नहीं विदेशों में भी अपनी कविताओं से सबका दिल जीता है. उन्हें अमेरिका के वाशिंगटन में अंतराष्ट्रीय हिन्दी एसोसीएशन द्वारा आयोजित समारोह में पद्मश्री डॉ सुरेंद्र दुबे को हास्य शिरोमणि सम्मान 2019 से सम्मानित किया गया था. नार्थ अमेरिका छत्तीसगढ़ एसोसिएशन की ओर से शिकागो में पद्मश्री डॉ. सुरेन्द दुबे को छत्तीसगढ़ रत्न सम्मान से भी सम्मानित किया गया था। पद्मश्री डॉक्टर सुरेंद्र की रचनाओं पर देश के 3 विश्वविद्यालयों ने पीएचडी की उपाधि भी प्रदान की है, जो उनकी साहित्यिक और अकादमिक उपलब्धियों की पुष्टि करती है।

कुमार विश्वास ने कहा कि यह बहुत हृदयविदारक है

सुप्रसिद्ध कवि डॉ. कुमार विश्वास ने डॉ. सुरेंद्र दुबे से जुड़ी यादों का ताजा करते हुए बताया कि किस तरह से उनसे उनकी पहली मुलाकात हुई थी. उन्होंने बताया कि सुरेंद्र दुबे से उनकी पहली मुलाकात 35 साल पहले 1991 में एक कार्यक्रम में हुई थी. मैंने देखा कि कैसे उन्होंने परिश्रम कर बेमेतरा से दुर्ग और फिर दुर्ग से रायपुर आए, और अपनी प्रतिष्ठा बनाई. डॉ. दुबे के निधन का जिक्र करते हुए कुमार विश्वास ने कहा कि यह बहुत हृदयविदारक है, परसों ही मेरी उनके स्वास्थ्य को लेकर बात हुई थी. मुझे आशु ने बताया था कि चाचा सब ठीक है, दो-तीन दिन में छुट्टी मिल जाएगी. कुमार विश्वास ने कहा कि सुरेंद्र दुबे का जाना छत्तीसगढ़ के लिए बड़ी क्षति है. मैंने उनके साथ अमेरिका, दुबई, शाहजहा और लंदन में कार्यक्रम किया है. एक छोटे से हॉल में, जहां 2 हजार प्रवासीय भारतीय है, हो सकता है कि उनमें केवल 10-15 लोग ही छत्तीसगढ़ के रहे हों, लेकिन वह मंच से छत्तीसगढ़ के बारे में, यहां की भाषा और खान-पान के बारे में जरूर बात करते थे. उनका जाना बड़ी क्षति है, छत्तीसगढ़ को इससे उबरने के लिए वक्त लगेगा।

CMYK